MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:06 DECEMBER 2025

अच्छा कार्टूनिस्ट बनने के लिए संवेदनशील होना पहली शर्त

- एमसीयू में चुनिंदा कार्टूनिस्टों ने विद्यार्थियों को बनाकर दिखाया कार्टून
- कुलगुरू ने कार्टून को बताया किसी अखबार का धड़कता हुआ दिल

स्वदेश समाचार ■ भोपाल

अच्छा कार्टूनिस्ट बनने के लिये संवेदनशीलता पहली शर्त है। यह कहना था माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलकुरू विजय मनोहर तिवारी का। वह कार्टून शो एवं लाइव स्केचिंग कार्यक्रम में बोल रहे थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्टून को किसी अखबार का धड़कता हुआ दिल बताते हुए कहा कि यह कला तब तक रहेगी जब तक मानव जीवन रहेगा, क्योंकि शब्दों की सीमाओं के बाहर भी चित्र और रेखाएँ बहुत कुछ बोल जाती हैं। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में पहले टॉ-शो हुआ। जिसमें मप्र सहित दूसरे राज्यों से पहुंचे सुप्रसिद्ध काटूनिस्टों ने इस विधा के संबंध में अपनी बात रही और इसके बाद लाइव कार्यक्रम में स्केच बनाकर भी दिखाए। इस दौरान छत्रों के सवालों और कलाकारों के जवाबों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह विधा अभी भी उस क्षमता से भरी है जो समाज को हँसाते हुए सोचने पर मजबूर कर दे। क्योंकि कार्टून कला न केवल जीवित है, बल्कि बदलते मीडिया परिदृश्य और सोशल मीडिया की चुनौतियों के बीच नए आकार ले रही है। पत्रकारिता विश्वविद्यालय में आयोजित हुए इस अनूठे कार्टून शो एवं लाइव स्केचिंग में देश के प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट देवेंद्र शर्मा, त्रयंबक शर्मा, प्रशांत कुलकर्णी, माधव जोशी, हरिमोहन वाजपेयी, चंद्रशेखर हाडा और अभिषेक तिवारी, इस्माइल लहरी और कुमार, हरिओम और शिरीष शामिल हुए थे।

किसने क्या कहा

वरिष्ठ कार्टूनिस्ट डा. देवेंद्र शर्मा : आज मीडिया में विचार कम दिखते हैं, विज्ञापन हावी है और बाजार के अन्य कारकों का दबाव भी है, लेकिन इसके बावजूद कार्टून की कला लगातार अपनी जगह बनाए हुए है और नए आकार ले रही है।

सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट हरिओम तिवारी : कार्टून में ह्यूमर और व्यंग्य दोनों ही होते हैं। आज कार्टून सोशल मीडिया पर भी पसंद किए जा रहे हैं और बहुत बड़ी तादाद में लोग उन्हें फालो करते हैं।

वरिष्ठ कार्टूनविद त्रयंबक शर्मा : आज सोशल मीडिया जैसे नए माध्यमों में ह्यूमर का स्वरूप बदल गया है। हमारी सोच भी बदलती जा रही है। हमारे जीवन में एआई का दखल बढ़ रहा है।

वरिष्ठ कार्टूनिस्ट हरिमोहन : कार्टून जर्नलिज्म का शुद्धतम रूप है। इस विधा में ज्यादातर राजनैतिक विषयों पर ही कार्टून बनते हैं।

कार्टूनिस्ट शिरीष श्रीवास्तव : ज्यादातर कार्टूनिस्टों के लिए राजनीति एक सदाबहार विषय होता है लेकिन समसामयिक आधार पर विषयों का चयन बदलता रहता है।

बताये कार्टून बनाने के गुर

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में कार्टून एप्रिशिएसन कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें वरिष्ठ कार्टून कलाकार प्रशांत कुलकर्णी ने सोशल कार्टूनिंग पर अपनी बात रखी। साथ ही बताया कि विविध विषयों पर कार्टून कैसे तैयार किए जा सकते हैं, कार्टून के लिए विषयों का चयन कैसे किया जाता है उन्होंने फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी तथा भारत के कई मशहूर कार्टूनिस्ट के कार्टून बताए तथा उनके विषयों पर चर्चा विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र में जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'06 DECEMBER.2025

एमसीयू में कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन, आकर्षण का केंद्र

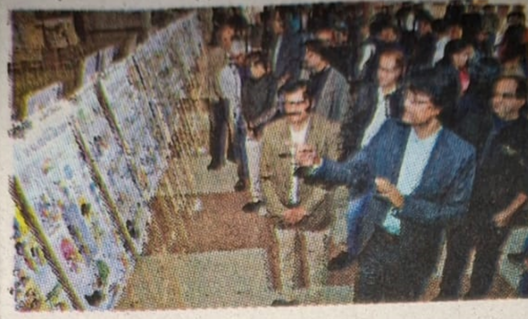

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन ने खबरों के पीछे छिपी तस्वीर को रोचकता के साथ प्रस्तुत किया। मंच पर बनते हर स्केच में तीखा व्यंग्य था, जो हंसी के पीछे छिपे सच को सामने रख रहा था। विद्यार्थियों ने जब सामने ही भ्रष्टाचार से लेकर शहरी विकास तक के ज्वलंत मुद्दों पर स्केच बनते देखे, तो महसूस हुआ कि कार्टून चुटकुला नहीं–एक सोच, एक सवाल और एक संवेदनशील दृष्टि है। प्रदर्शनी में तीन दशकों के चर्चित कार्टूनों ने यह संदेश और पुख्ता किया कि रेखाएं तब बोलती हैं, जब समाज चुप हो जाता है। कार्यक्रम का संयोजन विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने किया। उद्घाटन सत्र में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा, शब्द और शीर्षक अखबार का ढांचा खड़ा करते हैं, कार्टून उसका धड़कता हुआ दिल है। उन्होंने मीडिया शिक्षा में कार्टूनिंग को आवश्यक बताया और कहा कि रेखाओं के जरिए सच कहने की ताकत हमेशा जिंदा रहेगी। वरिष्ठ कार्टूनिस्ट डॉ. देवेंद्र शर्मा, हरिओम तिवारी, त्र्यम्बक शर्मा, हरिमोहन, शिरीष श्रीवास्तव, प्रशांत कुलकर्णी, इस्माइल लहरी, गोविंद लाहोटी, माधव जोंशी सहित देशभर के प्रसिद्ध कार्टूनिस्टों ने सोशल मीडिया के दौर में कार्टून कला के नए स्वरूप पर अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कहा दकि मीडिया में जगह भले सिमटी हो, पर कार्टून आज भी सबसे प्रभावशाली राजनीतिक और सामाजिक अभिव्यक्ति है, ह्यूमर के साथ तीखी चोट करने वाली। दूसरे सत्र में मुक्ताकाश मंच पर लाइव स्केचिंग ने छात्रों को सबसे अधिक आकर्षित किया। कलाकारों से सीधे संवाद, सवालों की झड़ी और तात्कालिक विषयों पर त्वरित व्यंग्य करते कार्टून ने समाज की धड़कनों को प्रस्तुत किया। अतिम सत्र में प्रशांत कुलकर्णी ने सोशल कार्टूनिंग की बारीकियां सिखाईं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'06 DECEMBER.2025

अच्छे कार्टूनिस्ट का संवेदनशील होना जरूरी है: कुलगुरु

भोपाल। कार्टून किसी अखबार का दिल है। अच्छा कार्टूनिस्ट बनने के लिए संवेदनशीलता जरूरी है। यह बात शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमोंसट्रेशन में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने कहा कि कार्टूनिंग अखबार का अभिन्न अंग है और मीडिया के पाठ्यक्रमों में कार्टूनिंग को शामिल करना चाहिए। कार्टून की कला तब तक रहेगी, जब तक मानव जीवन रहेगा। क्योंकि शब्दों की सीमाओं के बाहर भी चित्र व रेखाएं बहुत कुछ बोल जाती हैं। प्रदर्शनी, लाइव डिमोंस्ट्रेशन तथा कार्टून एप्रिशिएशन कार्यशाला से साबित हुआ कि कार्टून कला न केवल जीवित है, बल्कि बदलते मीडिया परिदृश्य, सोशल मीडिया की चुनौतियों के बीच नए आकार ले रही है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'06 DECEMBER.2025

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि में आयोजित हुआ पहला 'कार्टून शो'

जहां शब्द चुप हो जाते हैं, वहां कार्टून बोलते हैं

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. कार्टून एक मरती हुई कला नहीं, यह तो अखबार का दिल है। यह एक जिम्मेदार कला है। किसी के प्रति द्वेष रखकर कार्टून बनाएंगे तो आप अच्छे कार्टूनिस्ट नहीं बन सकते। जो बात शब्द नहीं कह पाते, वो कार्टून कह देते हैं। कार्टून केवल चुटकला नहीं, सोचने का माध्यम है। कुछ ऐसी ही बातें देशभर से आए प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट्स ने कही। मौका था माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में आयोजित हुए पहले कार्टून शो का, जिसमें देशभर से 11 कार्टूनिस्ट्स त्र्यम्बक शर्मा (रायपुर), प्रशांत कुलकर्णी (मुंबई), माधव जोशी (दिल्ली), हरिमोहन वाजपेयी (लखनऊ), चंद्रशेखर हाडा और अभिषेक तिवारी (जयपुर), डॉ. देवेन्द्र शर्मा, इस्माइल लहरी और गोविंद लाहोटी (इंदौर), हरिओम तिवारी और शिरीष श्रीवास्तव (भोपाल) ने भाग लिया। सभी ने पत्रकार कार्टूनिस्ट शिफाली पांडे के साथ ''टॉक शो' में भाग लिया।

कार्टूनिस्ट बनने के लिए संवेदनशील होना जरूरी

कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी ने कहा, कार्टूनिस्ट बनने के लिए आपका संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। आपको हर चीज को बारीकी से ऑब्जर्व करना चाहिए। हर कार्टून, चित्र, व्यक्ति, जानवर को देखना चाहिए, आपको इंसान पढ़ना आना चाहिए। वहीं कार्टूनिस्ट प्रशांत कुलकर्णी ने स्टूडेंट्स को कहा कि इस फील्ड में बहुत स्कोप है, आप इस कला को चुनते हैं तो आपकी जिंदगी हंसते-हंसते गुजर जाएगी।

कार्टूनिस्ट बनने के लिए जरूरी है 'एबलापंती'

कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी ने कार्टून बनाने की प्रक्रिया पर सटायर पेश किया और बताया कि कैसे कार्टूनिस्ट आम-सी दिखने वाली चीज को हटकर देखता है। उन्होंने कहा कि निमाड़ी में शब्द है एबला... कार्टूनिस्ट बनने के लिए आपके अंदर यही एबलापंती होनी चाहिए। कार्टूनिस्ट चंद्रशेखर हाडा ने कहा कि आज ह्यूमर यानी रील्स हो गया है। 'कार्टून को समझने के लिए दिमाग लगाना पड़ता है, जो कोई लगाना नहीं चाहता। कार्टूनिस्ट हरिओम तिवारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिस तरह के रिएक्शन आते हैं उससे हार्ड विषयों पर कार्टून बनाना मुश्किल भी होता जा रहा है। कार्टूनिस्ट हरिमोहन वाजपेयी ने कहा कि कार्टून जर्नलिज्म का शुद्धतम रूप है। इस विधा में ज्यादातर राजनैतिक विषयों पर ही कार्टून बनते हैं। कार्टूनिस्ट त्र्यम्बक शर्मा ने कहा, जर्नलिज्म का प्योरेस्ट फॉर्म कार्टून्स हैं।

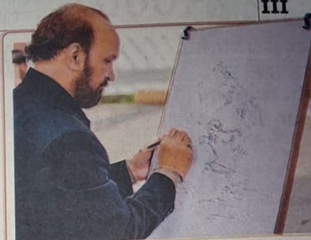

लाइव स्केच प्रोग्राम के बाद हुए सवाल-जवाब

टॉक शो में कार्टूनिस्ट शिरीष श्रीवास्तव ने एक सवाल के जवाब में बताया कि कार्टूनिस्ट्स के लिए पॉलिटिक्स सदाबहार विषय है। इस पर वो सबसे ज्यादा कार्टून बनाता है, जो चर्चित भी होते हैं। दूसरे सत्र में सभी विशेषज्ञों ने तक्षशिला और विक्रमशिला परिसर में दो ज्वलंत विषयों शहरी विकास यात्रा और भ्रष्टाचार पर लाइव स्केचिंग भी की। अपनी तरह के अनूठे कार्टून शो के इस पहले सीजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर लाइव स्केच बनते हुए देखे तथा कलाकारों से संवाद भी किया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में कार्टून एप्रिसिएशन कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें वरिष्ठ कार्टून कलाकार प्रशांत कुलकर्णी ने सोशल कार्टूनिंग पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में तीन दशकों में इनके बनाए चुनिंदा चर्चित कार्टूनों की एक प्रदर्शनी बी लगाई गई। पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्सुकता निर्देशकों की ओर से दिए गए प्रदर्शन से कहीं ज्यादा साफ दिखी। मुक्ताकाश मंच पर जब कार्टूनिस्टों ने तात्कालिक विषयों पर लाइव स्केच बनाकर दिखाया तो वह सत्र छात्रों की क्लास की तरह बन गया सवालों की झड़ी, विचारों का आदान-प्रदान और कलाकारों के साथ सीधे संवाद ने सीखने का ऐसा माहौल बनाया जो किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिलता। इस पूरे कार्यक्रम का संयोजन विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने किया।।

विचार की तुलना में प्रचार को अधिक महत्व

सवाल, अखबारों में कार्टून कोटा सिमट रहा है? के जवाब में कार्टूनिस्ट डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने कहा, आज व्यवस्था कुछ ऐसी हो गई है कि विचार की तुलना में प्रचार को अधिक महत्व मिलता है। लोग इतने संवेदनशील हो गए हैं कि हंसने-हंसाने को लाइट वेट में नहीं लेते। वहीं कार्टूनिस्ट माधव जोशी ने कहा, कार्टून बनाने वाले हास्य और व्यंग्य के साथ आम जन को मीडिया के जरिये एक विषय देते हैं जिस पर वे सोच सकते हैं। कार्टूनिस्ट गोविंद लाहोटी ने अपनी चर्चित कार्टून्स का उदाहरण देकर बताया कि किस तरह उन्होंने सिंपल कार्टून से गौहत्या और रिश्वतखोरों पर कटाक्ष किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने दिया। पुस्तक से शिवि ने अतिथियों का स्वागत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'06 DECEMBER.2025

'हंसी के बहाने सच', एमसीयू में कार्टून शो में उभरी समाज की तीखी तस्वीर

वरिष्ठ कार्टूनिस्टों ने बताया- क्यों कार्टून राजनीति और समसामयिक विषयों का सबसे सटीक आईना

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित कार्टून कार्यशाला के दौरान मंच पर बैठे विशेषज्ञ। • सौजन्यः एमसीयू

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः अखबार का धड़कता हुआ दिल पन्नों पर दिखने वाली छोटी सी काठी नहीं, बल्कि वह तेज, तीक्ष्ण और कभी-कभी दर्दनाक दृष्टि है जो हंसी के बहाने समाज को आईने में दिखाती है। शहर के इस अनूठे कार्टून कार्यक्रम में पेंसिलों ने शब्दों से भी ज्यादा कुछ कह दिया। लाइव स्केचिंग, प्रदर्शनी व चर्चाओं ने यह प्रमाणित किया कि कार्टून केवल चुटकला नहीं, सोचने का माध्यम भी है। मंच पर हर रेखा में सवाल थे और हर हंसी के पीछे एक गहरी सीख नजर आ रही थी।

यह नजारा था शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमान्सट्रेशन का। लाइव स्केचिंग में देश के प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट देवेंद्र शर्मा, त्रयंबक शर्मा, प्रशांत कुलकर्णी, माधव जोशी, हरिमोहन वाजपेयी, चंद्रशेखर हाड़ा और अभिषेक तिवारी, इस्माइल लहरी, हरिओम तिवारी ने विद्यार्थियों को कार्टून का महत्व बताया। उन्होंने कार्टून के महत्व के बारे में कहा कि हम रेखाओं से दिमाग की तरह की नसों पर हल्का सा खरोंच करते हैं, हंसी आती है तो सोच भी जग जाती है। अखबार का दिल तब और जोर से धड़कता है जब कार्टून उसकी सूनी राहों में परोक्ष सच फेंक देते हैं।

कार्यक्रम में प्रदर्शनी, लाइव डिमान्स्ट्रेशन तथा कार्टून जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। सभी विशेषज्ञों ने परिसर में दो ज्वलंत विषय शहरी विकास यात्रा और भ्रष्टाचार पर लाइव स्केचिंग भी की। इसमें कार्यशाला में वरिष्ठ कार्टूनिस्ट हरिमोहन वाजपेयी ने कहा कि कार्टून जर्नलिज्म का शुद्धतम रूप है। इस विधा में राजनैतिक विषयों पर ही कार्टून बनते हैं। कार्टूनिस्ट शिरीष श्रीवास्तव ने कहा कि ज्यादातर कार्टूनिस्टों के लिए राजनीति एक सदाबहार विषय होता है, लेकिन समसामयिक आधार पर विषयों का चयन बदलता रहता है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि मीडिया के पाठ्यक्रमों में कार्टून के विषय को शामिल करना चाहिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमसीयू में कार्टूनिस्ट प्रशांत कुलकर्णी विद्यार्थियों को समझाते हुए। • सौजन्यः एमसीयू

कार्टून कार्यशाला के दौरान बैठे विद्यार्थी और विशेषज्ञ। • सौजन्यः एमसीयू

दिल्ली से आए दैनिक जागरण के माधव जोशी ने कार्टून बनाकर स्टूडेंट्स की जिज्ञासाओं को शांत किया। • नवदुनिया

कार्टून बनाने के लिए चुनाव का समय सबसे बेहतर

मुंबई से आए वरिष्ठ कार्टून विशेषज्ञ प्रशांत कुलकर्णी ने कहा कि कार्टूनिस्ट के नजरिए से हमें हर चीज ह्यूमर लगती है। चुनाव का समय भी कार्टून निर्माण के विषयों के लिहाज से बहुत अच्छा होता है। वहीं प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी ने कहा कि कार्टून के कलाकार की दृष्टि अलग होती है। उसका नजरिया जरा हटकर होता है। वह चीजों को एक अलग तरह से देखता है। उन्होंने कहा कि कार्टून केवल चुटकला नहीं है। यह एक गंभीर विधा है। सभी विशेषज्ञों ने कहा कि कार्टून कलाकार निर्जीव चीजों में भी प्राण डाल देते हैं। यह हंसने की नहीं सोचने की चीज है। हम सभी में एक कार्टूनिस्ट होता है। वे उन्हें सजीव बनाने का सामर्थ्य रखते हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'06 DECEMBER.2025

कार्टूनिस्ट सम्मेलन में दिग्गजों से रूबरू हुए एमसीयू के छात्र

देश की जानी-मानी हस्तियों को सामने देखकर मंत्रमुग्ध हो जाना स्वाभाविक है, और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के छात्र-छात्राओं ने इसका अनुभव कार्टूनिस्ट सम्मेलन में किया। परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दैनिक जागरण दिल्ली के माधव जोशी, लखनऊ के हरी मोहन वाजपेयी 'माधव', स्माइल लहरी, गोविंद लाहोटी, चंद्रशेखर हाढ़ा, हरीओम तिवारी और प्रशांत कुलकर्णी जैसे देश के दिग्गज कार्टूनिस्ट उपस्थित रहे। इन प्रतिष्ठित कलाकारों ने न केवल लाइव कार्टून बनाकर छात्रों को चकित किया, बल्कि उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

• नवदुनिया

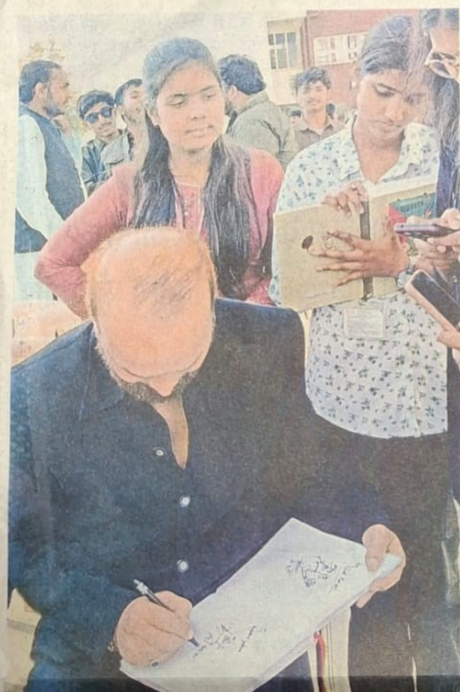

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'06 DECEMBER.2025

कार्टून शो और लाइव डिमॉन्सट्रेशन

पत्रकारिता विवि में कार्टून कार्यक्रम का आयोजन

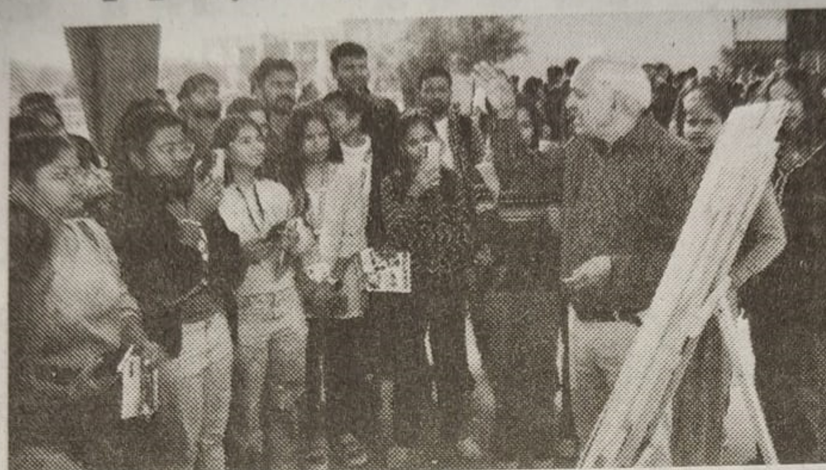

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमॉन्सट्रेशन ने छात्रों और पत्रकारिता प्रेमियों को रोमांचित किया। कार्यक्रम में देशभर के वरिष्ठ कार्टूनिस्टों ने भाग लिया और समाज, राजनीति और दैनिक जीवन पर आधारित अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाइव स्केचिंग, प्रदर्शनी और कार्टून एप्रिशिएशन कार्यशाला आयोजित की गई। वरिष्ठ कार्टूनिस्ट देवेंद्र शर्मा, त्र्यम्बक शर्मा, प्रशांत कुलकर्णी, हरिमोहन वाजपेयी, इस्माइल लहरी और अन्य विशेषज्ञों ने छात्रों को कार्टून की कला, व्यंग्य और ह्यूमर के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि 'शब्द अखबार का ढांचा खड़ा करते हैं, कार्टून उसका धड़कता हुआ दिल है।' कार्यक्रम में लाइव स्केचिंग के दौरान शहरी विकास और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत विषयों पर चर्चा हुई, जिससे छात्रों की सोच को चुनौती मिली और व्यंग्य के माध्यम से संदेश समझाया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAIDUNIYA'06 DECEMBER.2025

संगीत-सहयोगों पर भी विचार साझा किए।

एमसीयू में कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमोस्ट्रेशन

सोशल मीडिया पर लोगों की पहली पसंद बने कार्टून, बड़ी तादाद में लोग करते उन्हें फॉलो

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

अखबार का धड़कता हुआ दिल पन्नों पर दिखने वाली छोटी सी काठी नहीं, बल्कि वह तेज, तीक्ष्ण और कभी-कभी दर्दनाक दृष्टि है जो हंसी के बहाने समाज को आईने में दिखाती है। राजधानी के इस अनूठे कार्टून कार्यक्रम में पेंसिलों ने शब्दों से भी ज्यादा कुछ कह दिया। लाइव स्केचिंग, प्रदर्शनी और चर्चाओं ने यह प्रमाणित किया कि कार्टून केवल चुटकला नहीं, सोचने का माध्यम भी है।

मंच पर हर रेखा में सवाल थे और हर हंसी के पीछे एक गहरी सीख नजर आ रही थी। यह नजारा था शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि में आयोजित कार्टून शो, प्रदर्शनी और लाइव डिमॉन्सट्रेशन का। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट हरिओम तिवारी ने कहा कि कार्टून में ह्यूमर और व्यंग्य दोनों ही होते हैं। आज कार्टून सोशल मीडिया पर भी पसंद किए जा रहे हैं और बहुत बड़ी तादाद में लोग उन्हें फालो करते हैं। इस पूरे कार्यक्रम का संयोजन विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने किया।

हरिओम तिवारी

इस्माइल लहरी

सोशल मीडिया जैसे नए माध्यमों में बदल गया है ह्यूमर का स्वरूप

कुमार इंदौर

त्र्यम्बक शर्मा

वहीं, वरिष्ठ कार्टूनविद त्र्यम्बक शर्मा ने कहा कि आज सोशल मीडिया जैसे नए माध्यमों में ह्यूमर का स्वरूप बदल गया है। हमारी सोच भी बदलती जा रही है। इन सब का असर स्वाभाविक तौर पर कार्टूनिंग की कला पर पड़ रहा है।

कुलकर्णी ने बताया- कैसे करें विषयों का चयन

वहीं कार्यक्रम के अंतिम सत्र में कार्टून एप्रिशिएसन कार्यशाला में वरिष्ठ कार्टून कलाकार प्रशांत कुलकर्णी ने विविध विषयों पर कार्टून कैसे तैयार किए जा सकते हैं, कार्टून के लिए विषयों का चयन कैसे किया जाता है, जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कुलकर्णी ने फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी तथा भारत के कई मशहूर कार्टूनिस्ट के कार्टून बताए तथा उनके विषयों पर चर्चा की।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'06 DECEMBER.2025

दैनिक भास्कर
भोपाल सिटी भास्कर 06-12-2025

CONCLAVE विशेषज्ञ बोले-कार्टून अखबार का धड़कता दिल

अच्छा कार्टूनिस्ट बनने के लिए संवेदनशील होना सबसे जरूरी...

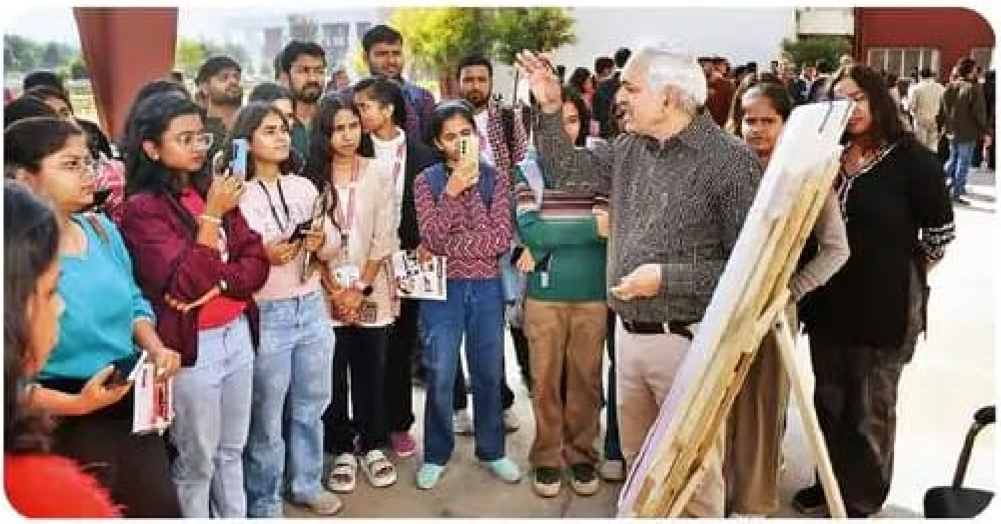

सिटी रिपोर्टर • रेखाएं कभी इतनी जीवंत भी हो सकती हैं-यह शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के मुक्ताकाश मंच पर साफ दिखा। यहां शब्द चुप थे, पर पेंसिलें बोल रही थीं; हंसी भी थी और उसके पीछे छिपी तीखी सच्चाइयां भी। लाइव स्केचिंग, चर्चाएं और प्रदर्शनी ने साबित कर दिया कि कार्टून केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने की सूक्ष्म कला है, जिसे समझने के लिए संवेदनशीलता सबसे जरूरी है।

बदलते दौर में भी प्रभावशाली

कार्यक्रम के उद्घाटन में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा-'शब्द और शीर्षक अखबार का ढांचा खड़ा करते हैं, लेकिन कार्टून उसका धड़कता हुआ दिल है।' उन्होंने मीडिया अध्ययन में कार्टूनिंग को शामिल किए जाने की जरूरत पर जोर दिया। पहले सत्र में देशभर से आए प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट- देवेंद्र शर्मा, हरिओम तिवारी, त्र्यम्बक शर्मा, प्रशांत कुलकर्णी, माधव जोशी, हरिमोहन वाजपेयी, शिरीष श्रीवास्तव, इस्माइल लहरी सहित कई कलाकारों ने अपने विचार रखे। कहा कि बदलते मीडिया की दुनिया में हास्य और व्यंग्य की शैली बदल रही है, लेकिन कार्टून की ताकत आज भी उतनी ही प्रभावी है।

लाइव स्केचिंग की सीख

दूसरे सत्र में तक्षशिला और विक्रमशिला परिसर में शहरी विकास और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत विषयों पर लाइव स्केचिंग हुई। यहां छात्रों की उत्सुकता कलाकारों की गति से भी तेज दिखाई दी। सवालों की झड़ी, विचारों का आदान-प्रदान और हर स्केच में छिपा संदेश छात्रों को सीखने का वह अनुभव दे गया जो किसी पुस्तक में नहीं मिलता। अंतिम सत्र में कार्टून एप्रिसिएशन वर्कशॉप आयोजित हुई, जिसमें वरिष्ठ कार्टूनिस्ट प्रशांत कुलकर्णी ने सोशल कार्टूनिंग और विषय चयन की तकनीक समझाई। उन्होंने भारत सहित फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के मशहूर कार्टूनिस्टों के उदाहरणों से छात्रों को कार्टूनिंग की वैश्विक बारीकियां बताईं। पूरा कार्यक्रम विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव के संयोजन में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन सुनते विशिष्ट अतिथिगण।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'07 DECEMBER.2025

माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का स्वागत करतीं भव्या शर्मा।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'07 DECEMBER.2025

द्वितीय सत्र: चुनौतियां भी बताईं और समाधान भी

द्वितीय सत्र मे प्रमुख वक्ताओं के रूप में माखनलाल राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के पूर्व कुलपति व पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण गुर्टू, मेनिट भोपाल के डीन, आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग कृष्ण कुमार धोटे, डॉ. शुभाशीष बनजी संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश इंदौर व राष्ट्रीय कांउसिल सदस्य आईपीआई तथा ख्यालदास इफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के संचालक नितिन लालचंदानी शामिल हुए। पैनल चर्चा के दौरान सभी विशेषज्ञों ने 'विकसित मध्यप्रदेश 2047' का खाका तैयार किया। इस दौरान वक्ताओं ने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया साथ ही विरासत को सहेजते हुए विकास करने के सुझाव भी दिए। इस सत्र का संचालन उद्यांश पाण्डेय ने किया।

विरासत को चमकाने के साथ विकास के सवालों से सामना करना जरूरी: विजय मनोहर तिवारी

यह केवल वर्तमान समय के लिए ही प्रासंगिक अवधारणा नहीं है बल्कि सर्वकालिक प्रासंगिक अवधारणा है कि बगैर विरासत के हमें किसी विकास की कल्पना करना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि मप्र वन्य जीव बोर्ड में सदस्य होने के नाते उन्होंने बोर्ड की बैठक मे एक सुझाव दिया था अभयारण्य व राष्ट्रीय पार्क के भीतर मौजूद पुरातात्विक स्मारकों को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए ताकि आगे उन पर काम किया जा सके। ये हमारे विरासत का सवाल है। मुख्मंत्री डॉ. मोहन यादव नेइसे गंभीरता से लिया। वन विभाग ने तुरंत ही आदेश जारी कर वहा पर मौजूद पुरातात्विक स्मारकों की गिनती कराना शुरू किया। दो महीने पहले तक डेढ़ हजार से अधिक ज्यादा स्मारक जो जंगलों में खोए हुए है तथा बर्बाद हो रहे हैं वे लिस्टेड हो चुके है। गिनती का काम अब भी जारी है। भोपाल का 1 हजार साल साल का इतिहास ज्ञात है। गूगल मैप पर आज भी चौकोर आकार का शहर है। पिछले कुछ सालों में यह परिवर्तन आया है कि भोपाल नवाबों की पहचान से पीछे गया है। राजा भोज और रानी कमलापति का स्मरण भी हुआ है। इस दौरान विकास के प्रारूप को लेकर चिंता जताई तथा कहा कि राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस का न होना सवाल खड़े कर हरा है। विवि में 20 राज्यों के बच्चे पढ़ते हैं वे भी इस शहर के विकास की तस्वीर को देश भर में पेश करते हैं इसलिए विकास के लिए आज के सवालों का सामना करना भी जरूरी है। उन्होंने मप्र के पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर काम करने की जरूरत को बताया।

शहरीकरण के साथ बढ़ेगा अपराध इसलिए पुलिस भी हो रही स्मार्ट: अरुण कुमार गुर्टू

रानी दुर्गावती विवि के पूर्व कुलपति वे पूर्व एडीजी अरुण कुमार गुर्टू ने कहा कि आने वाले समय मे अपराध और पुलिस की चुनौतियों से जुड़े सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, शहरीकरण हो रहा है, अपराध बढ रहा है। आज के समय मे 65 फीसदी लोग गांव में रहते हैं। वर्ष 2047 तक यह आंकड़ा पूरी तरह से बदल जाएगा। शहरो में आबादी बढ जाएगी। ऐसे मे पुलिस के लिए चुनौती बढने वाली है। हमें मानव संसाधन को विकसित और संवेदशनशील बनाना होगा। तकनीक के उपयोग के साथ पुलिस भी स्मार्ट होती चली जाएगी।

सोचना होगा कि भोपाल पीछे क्यों रह गया : कृष्ण कुमार धोटे

मेनिट भोपाल के डीन, आर्किटेक्चर एड प्लानिंग कृष्ण कुमार धोटे ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से भोपाल मध्य में स्थित है और यहां की जलवायु की बात करें अनुकूल जलवायु है इसमें भोपाल के आस पास के क्षेत्र को भी देखना जरुरी है। भोपाल का फैलाव बाहर की ओर हो रहा है जबकि अंदर के क्षेत्र का रीडेंसिफिकेशन करने का कोई प्लान ही नहीं बन पा रहा है। शासन की तरफ और शासन के नीति की तरफ भी ध्यान देना बहुत ज्यादा जरूरी है साथी ऐसे नागरिकों को भी आगे आना चाहिए जो राष्ट्र निर्माण मे अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत के शहरों के भी लिस्ट बनाएं और इसमें देखते है हम की इंदौर पहले नंबर पर आता है। आखिर सोचने वाली बात है इंदौर पहले नंबर पर क्यों आता है भोपाल का विकास क्यों नहीं हो पा रहा है. इसमें टी टी नगर भेल ऐसे क्षेत्र को देखें जो सीमा के अंदर है और सीमा के बाहर की तरफ है जन भागीदारी की बात करें तो सरकारी योजनाओं का आकलन किया जाना चाहिए मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री आवास योजना का आकलन करते हैं तो आप पाएंगे कि किस तरीके से नगरीय विकास हो रहा है। नगरीय निकायों के पास संसाधन की कमी है। शहरो की जरूरतों पर ध्यान देते हुए नीतियां बनानी होंगी।

आधी आबादी होगी नगरों में, शहर ही बनेंगे ग्रोथ का इंजन: डॉ शुभाशीष बनर्जी

डॉ. शुभाशीष बनजी संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश इंदौर ने सत्र में अगले बीस वर्षो में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने प्रजेंटेनश देकर बढ़ती आबादी और उससे शहरों पर पडने वाले दबाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2050 तक शहरों मे 100 करोड़ लोग होंगे। 2050 तक भारत की शहरी जनसंख्या लगभग 50 प्रतिशत हो जाएगी। जो वर्तमान शहरी जनसंख्या से दोगुनी होगी। अमेरिका में प्रति व्यक्ति भूमि 12 गुना अधिक है और चीन मे प्रति व्यक्ति भूमि 3 गुना अधिक है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में लगभग 93 मिलियन (9.3 करोड़) एयर कंडीशनिंग यूनिट्स थीं। वही स्रोत 2050 तक संभावित रूप से 1.1 बिलियन (110 करोड) यूनिट्स की भारी वृद्धि का अनुमान लगाता है। इंदौर मे 2050 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 1.5 गुना बढ जाएगा। तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस बढ जाएगा और बारिश 22 प्रतिशत बढ जाएगी। हर दिन कुल कचरा उत्पादन की बात करें तो भारत में (औसत, शहरी डेटा) 0.39, संयुक्त राज्य अमेरिका 2.6, चीन में 1.2 तथा यूरोपीय संघ में 1.405 है। नीति आयोग के अनुसार, शहरी भारत मे हर दिन लगभग 1,30,000 से 1,50,000 मीट्रिक टन म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट निकलता है। यूएसए में हर दिन कुल कचरा उत्पादन 8,00,000 टन है। अभी हमारे पास यही चुनौती है। अन्य चुनौतियो में शहरी जमीन और आस-पास के इलाको पर बहुत ज्यादा दबाव, शहरी सेवाओं की डिलीवरी, शहरी ट्रैफिक मैनेजमेंट, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन तथा शहरी विकास के लिए संसाधन होंगे। डॉ. बनर्जी ने यह भी कहा कि अगले 20 सालों मे कारो की संख्या बढ़ेगी। आखिर में हमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर जाना ही होगा।

सरकार ने सभी नीतियां बनाईं, बस क्रियान्वयन की जरूरत: नितिन लालचंदानी

ख्यालदास इफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के संचालक नितिन लालचंदानी ने कहा कि भोपाल का आर्किटेक्चर एकदम आईडल है। भोपाल के नए शहर का सिमिट्रकल विकास नहीं हुआ है। एमपी नगर को इस तरह से बसाने की कोशिश की गई थी लेकिन वह भी नहीं हो पाया। विरासत के साथ ही विकास के लिए नीतियां बनी हुई है लेकिन उनका क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। सरकार को क्रियान्वयन पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। सभी नीतिया रिसर्च और डेटा आधारित हैं। बस उनके सही क्रियान्वयन की जरूरत है। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए सीवेज है, पानी की सप्लाई है या फिर पर्यावरण को देखने के बाद ही अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होने कहा कि अरेरा कॉलोनी व उसके आसपास के इलाके मे आज भी हरियाली है जबकि नर्मदापुरम रोड व पुराने शहर मे प्रदूषण की समस्या है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'07 DECEMBER.2025

विरासत को चमकाने के साथ विकास के सवालों से सामना करना जरूरी : विजय मनोहर तिवारी

यह केवल वर्तमान समय के लिए ही प्रासंगिक अवधारणा नहीं है बल्कि सर्वकालिक प्रासंगिक अवधारणा है कि बगैर विरासत के हमें किसी विकास की कल्पना करना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि मप्र वन्य जीव बोर्ड में सदस्य होने के नाते उन्होंने बोर्ड की बैठक में एक सुझाव दिया था अभयारण्य व राष्ट्रीय पार्क के भीतर मौजूद पुरातात्विक स्मारकों को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए ताकि आगे उन पर काम किया जा सके। ये हमारे विरासत का सवाल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे गंभीरता से लिया। वन विभाग ने तुरंत ही आदेश जारी कर वहां पर मौजूद पुरातात्विक स्मारकों की गिनती कराना शुरू किया। दो महीने पहले तक डेढ़ हजार से अधिक ज्यादा स्मारक जो जंगलों में खोए हुए है तथा बर्बाद हो रहे हैं वे लिस्टेड हो चुके है। गिनती का काम अब भी जारी है। भोपाल का 1 हजार साल साल का इतिहास ज्ञात है। गूगल मैप पर आज भी चौकोर आकार का शहर है। पिछले कुछ सालों में यह परिवर्तन आया है कि भोपाल नवाबों की पहचान से पीछे गया है। राजा भोज और रानी कमलापति का स्मरण भी हुआ है। इस दौरान विकास के प्रारूप को लेकर चिंता जताई तथा कहा कि राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस का न होना सवाल खड़े कर हरा है। विवि में 20 राज्यों के बच्चे पढ़ते हैं वे भी इस शहर के विकास की तस्वीर को देश भर में पेश करते हैं इसलिए विकास के लिए आज के सवालों का सामना करना भी जरूरी है। उन्होंने मप्र के पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर काम करने की जरूरत को बताया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'07 DECEMBER.2025